Two-day Conference on 'Climate Change' Begins

'Need-Based Simple lifestyle is a key to Combat Climate Change' --Mr Balvinder Kumar

New Delhi, Nov. 25: "Global warming is a real danger to our society and we must act at individual as well as at collective level to prevent further damage. Transition to need-based simple lifestyle and connection with outer nature and our inner selves, is a key to combat growing concerns and challenges of climate change"
Mr. Balvinder Kumar, Secretary, Union Ministry of Mines said this while addressing a Conference on 'Climate Change' organized by the Brahma Kumaris with the support of Union Ministry of AYUSH, Ministry of Earth Science, Department of Science & Technology, Ministry of New and Renewable Energy, Ministry of Environment, Forest & Climate Change etc at Satya Sai International Center, here today.

He said that the accelerating pace of climate change is directly linked to materialistic nature of our lifestyle and we are observing the implications in the form of lifestyle related health problems and environmental degradation.

He stressed on need for a paradigm shift to adopt low carbon lifestyles and connecting with our inner beings and realizing the power of thoughts from being negative to positive, from unhealthy to healthy, from only receiving to giving, from competition to cooperation and consumerism to contentment, from Bhoga to Yoga and from greed-based lifestyle to need-based lifestyle. He released a book on power of mind and power of thoughts earlier this year.

Mr V C Bhandari, Director, HR, Engineers India Ltd said that Paris Agreement on Climate Change aimed to intensify our positive actions and to rely less on materialistic comforts, as global warming has been directly linked to human activity and modern consumerist lifestyle. He appreciated the research and development of Brahma Kumaris which are focused on exploration of alternative and renewable energy sources such as solar power harnessing technologies, .

Mr Mohan Singhal, National Coordinator of Brahma Kumaris' Scientists & Engineers Wing said we are living in an era of extreme climate change. Discussions to deal with growing challenges of climate change are already happening every year. At individual level atleast, we can address climate change by changing our lifestyle from materialistic to spiritualistic.

Rajyogi B K Brijmohan, Additional Secretary General & Chief Spokesman of Brahma Kumaris said that mental pollution leads to all types of pollution. If the climate change continues in such pace, then we reach the threshold of no return. It is time take responsibility for proper individual actions and it is time to purify our thoughts and inner self which in turn will purify and positively change external physical nature, he added.

Rajyogini Dadi Rukmani, Addl. Zonal Chief of Brahma Kumaris, Delhi blessing the session said that inner self transformation can lead to world transformation. Inner change which can bring the desired outer change, need inner empowerment which can be achieved by connecting our inner self with Supreme Soul through daily practice of spiritual wisdom and raj-yoga meditation.

The second day of the Conference, tomorrow will have experiential raj-yoga meditation sessions which will be held in several designated raj-yoga centers of Brahma Kumaris all over Delhi and India and the same will be attended by all delegates of the Conference and the other aspiring public.

प्रैस विज्ञप्ति

विश्व जलवायु परिवर्तन पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारम्भ हुआ
''आन्तरिक और बाह्य प्रकृति से जुड़ने से ही होगी ग्लोबल वैलनेस''- बलविन्दर कुमार

नई दिल्ली, 25 नवम्बरः ग्लोबल वैलनेस के लिए हमें बाह्य प्रकृति और अपनी अन्तर आत्मा से जुड़ना होगा। आन्तरिक प्रकृति और मन को शान्त एवं नियन्त्रित करने के लिए हमें बाह्य परिवर्तन को स्वीकार करने की शक्ति और अपने विचारों को साक्षी हो देखने की क्षमता तथा मेडिटेशन ध्यान को अपनाना होगा।

यह विचार **भारत सरकार खनन मंत्रालय के सचिव बलविन्दर कुमार** ने ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के साईन्टिस्ट एवं इंजीनियर प्रभाग द्वारा स्थानीय सत्य साईं सेन्टर में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन ''क्लाईमेट चेंज'' का आज उदघाटन करते हुए कहा।

यह सम्मेलन केन्द्रीय आयुष मंत्रालय, भू-विज्ञान मंत्रालय, केन्द्रीय विज्ञान और तकनीकी विभाग, केन्द्रीय पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, डी.आर.डी.ओ. आदि सरकारी संस्थाओं के सहभागिता से आयोजित किया जा रहा है।

श्री बलविन्दर कुमार ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग का मुख्य कारण हमारा भौतिकवादी तथा उपभोक्तावादी जीवन शैली है, जिससे हम विभिन्न बीमारियों का शिकार हो रहे है और साथ ही साथ जिससे प्रकृति पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहें हैं जैसे वातावरण प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग, बाढ़, सुनामी, भूचाल इत्यादि। इसलिए हमें भौतिकवादी सोच को छोड़ अपनी प्राचीन आध्यत्मिक प्रकृति एवं सादा जीवनशैली को अपनाना होगा।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के मुख प्रवक्ता ब्र0कु0ब्रजमोहन ने कहा कि वर्तमान समय परमात्मा का कलियुग रूपी रात्री का अन्त कर सतयुग रूपी सुखमय सुबह लाने का कार्य चल रहा है। क्लाईमेंट चेंज के लिए हमें हमारी प्रदूषित मानसिकता को परिवर्तन करना होगा। हमें समझना होगा कि परिवर्तन के समय आ चुके हैं।

उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा कि आत्मा ही एकमात्र ऐसी चीज है जो ग्रेविटी से बंधी नहीं है और अविनाशी है जो सतयुगी दुनिया में जा सकती है, परन्तु हम स्वयं को शरीर समझ बैठे है जिससे भौतिकवादी बन गये है। इसलिए हमें परमात्मा से सम्बन्ध जोड़कर स्वयं का नई सतयुगी दुनिया के लिए परिवर्तन करना होगा।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में **इंजीनियर्स इण्डिया लि0 के निदेशक वी.सी.भण्डारी** ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मानव के विचारों और व्यवहार में

परिवर्तन से ही विश्व में क्लाईमेट चेंज हो रहा है समुद्र का लेवल बढ़ता जा रहा है, ग्लेशियर पिघलते जा रहे हैं, हम प्रकृति का दोहन कर रहे है। हमें अपने आचरण में सकारात्मक परिवर्तन करना होगा, प्रकृति से अनावश्यक छेड़छाड़ को रोकना होगा। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज़ संस्था द्वारा वैकल्पिक उर्जा स्रोतो के प्रयोग को बढ़ावा देने की सराहना की।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के साईन्टिस्ट एवं इंजीनियर प्रभाग के राष्ट्रीय संचालक मोहन सिंघल ने कहा कि वर्तमान में हम क्लाईमेट चेंज के चरम पर हैं जिसमें प्रति वर्ष तेजी से परिवर्तन हो रहा हैं। अगर हम व्यक्तिगत रूप से क्लाईमेट चेंज को रोकना होगा तो इसके लिए हमें अपनी भौतिकवादी सोच को आध्यात्मिकवादी सोच और व्यवहार में परिवर्तित करना होगा।

ब्रह्माकुमारी संस्था के दिल्ली जोन की अतिरिक्ति मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रूक्मणी ने अपने आर्शीवचन देते हुए सन्देश दिया कि परमात्मा राजयोग एवं आध्यात्मिक ज्ञान के द्वारा हमें स्वयं को परिवर्तन करने का कार्य करा रहा है जिससे आने वाली दुनिया के लायक हम स्वयं को बना सके।

उद्घाटन सत्र के अलावा तीन खुले सत्रों में विभिन्न संस्थाओं के इंजीनियर्स एवं विज्ञानिकों ने विषय के अनुरूप अपने विचार रखे तथा क्लाईमेट चेंज को जानने के लिए विभिन्न स्कूलों के छात्र छात्राओं द्वारा भी भाग लिया गया। सम्मेलन के दूसरे दिन कल ब्रहमाकुमारी संस्था के दिल्ली तथा भारत के विभिन्न राज्यों में स्थित कुछ पूर्व निर्धारित राजयोगा शिक्षा केन्द्रों में राजयोग अनुभूति सत्रों आयोजित होगें जिसमें सम्मेलन के डेलीगेट्स तथा आम पब्लिक भाग लेगें।